शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

(अध्ययन मंडल हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के सूचना आदेश दिनांक 07 मई 2025 के अनुसार सत्र–2025–26 के लिए स्नातकोत्तर हिंदी साहित्य का अनुमोदित पाठ्यक्रम)

स्नातकोत्तर हिन्दी

(सत्र–2025–26)

सेमेस्टर प्रणाली

एम. ए. पूर्वार्द्ध व अंतिम

(सेमेस्टर 1, 2, 3 और 4)

(डॉ. शंकर मुनि राय)
विभागाध्यक्ष, हिंदी

(डॉ. सुचित्रा गुप्ता)
प्राचार्य

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ. ग.)

हिंदी विभाग

पाठ्यकम में बदलाव संबंधी निर्णय (सत्र 2025–26)

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP-2020)** के तहत शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव में सत्र 2022–23 से **FYUGP (CBCS AND LOCf Course)** प्रणाली के अनुसार सेमेस्टर पद्धति लागू है। यह पद्धति तीनों संकाय अर्थात् कला, वाणिज्य तथा विज्ञान संकाय के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेशित विद्यार्थियों से ही लागू है।
- **सत्र 2025–26 के लिए स्नातक VII और VIII सेमेस्टर का नया पाठ्यकम तैयार कर अध्ययन मंडल की बैठक में अनुमोदित हुआ।**
- **स्नातकोत्तर के पाठ्यकम में चारों सेमेस्टर के पांचवे प्रश्नपत्र को निम्नानुसार संशोधित कर बढ़ाया गया है–**

(क) प्रथम सेमेस्टर पंचम प्रश्नपत्र : व्युत्पत्ति अथवा बनावट के आधार पर शब्द : रूढ़, यौगिक और योगरूढ शब्द।

(ख) द्वितीय सेमेस्टर पंचम प्रश्नपत्र : अविकारी शब्द : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया एवं किया विशेषण–प्रकार एवं उदाहरण।
हिंदी में प्रचलित दोहरी वर्तनी के शब्द : प्रकार एवं उदाहरण।

(ग) तृतीय सेमेस्टर पंचम प्रश्नपत्र : हिंदी में लिंग निर्धारण की समस्याएं एवं समाधान। पर्यायवाची शब्द : अर्थ एवं उदाहरण।

(घ) चतुर्थ सेमेस्टर पंचम प्रश्नपत्र : वक्तृत्व कला : अर्थ एवं स्वरूप, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, समश्रुत शब्द ।
सारांश, भावार्थ एवं व्याख्या : अर्थ एवं अंतर।

- स्नातक सेमेस्टर VII में नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' की जगह विनोद कुमार शुक्ल के उपन्यास 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' को शामिल किया गया है।

पाठ्य कम समिति के सदस्य :

1. डॉ. शंकर मुनि राय – [signature]
2. डॉ. अंजन कुमार – [signature]
3. डॉ. बी. एन. जागृत – [signature] 16.5.25
4. डॉ. प्रवीण साहू – [signature]
5. डॉ. वीरेन्द्र कुमार साहू [signature]
6. डॉ. [illegible] Kaushik
7. डॉ. गायत्री साहू [signature]
8. डॉ. ~~[illegible]~~ नीलम तिवारी [signature]
9. डॉ. लोकेश कुमार [signature]

प्रस्तावना तथा उद्देश्य

एम. ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम अध्ययन मंडल दुर्ग विश्वविद्यालय दुर्ग एवं शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव द्वारा मनोनीत विषय विशेषज्ञ एवं विभागीय प्राध्यापकों द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम समिति की सहमति से बनायी गई योजना के अनुसार स्वीकृत है। चूंकि महाविद्यालय को स्वशासी संस्था की मान्यता प्राप्त है, इसलिए पाठ्यक्रम निर्धारण में स्थानीय आवश्कता के अनुरूप पाठ्य–विषय का चयन किया जाना स्वाभाविक है। इसके लिए प्रत्येक सत्र में समिति की बैठक आयोजित कर पाठ्य–विषय की उपयोगिता संबंधी समीक्षा कर उसे अद्यतन किया जाता है।

एम. ए. हिन्दी के पाठ्यक्रम निर्धारण में इस बात का ध्यान रखा गया है कि इस विषय के विद्यार्थी को हिन्दी भाषा और साहित्य के संबंध में आधारभूत तथ्यों सहित उसके वर्तमान स्वरूप का व्यावहारिक ज्ञान हो। इसके लिए हिन्दी भाषा और उसके साहित्य के इतिहास को अध्ययन–अध्यापन का विषय बनाया गया है। बदलते परिवेश के साथ–साथ हिन्दी के साहित्यिक स्वरूप में जो विधात्मक बदलाव आया है, उसको ध्यान में रखते हुए काव्य, कहानी, नाटक, निबंध, उपन्यास सहित चरितात्मक कृति को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

पाठ्यक्रम के तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर में विद्यार्थियों के स्व–चिंतन और भाषायी परख के लिए आलोचनात्मक पाठ्य–सामग्री शामिल है, वहीं अध्ययन के व्यावहारिक पक्ष की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए हिन्दी के प्रायोजनिक उपयोगिता और मीडियापरक लेखन और अनुवाद को अध्ययन–अध्यापन का विषय बनाया गया है।

क्षेत्रीयता और स्थानीयता को ध्यान में रखकर समिति ने विद्यार्थियों के लिए जनपदीय साहित्य के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य को एक प्रश्नपत्र के रूप में पढ़ाने का निर्णय लिया है। **प्रदेश के बाहर से आनेवाले विद्यार्थियों की रूचि का ध्यान रखते हुए चतुर्थ प्रश्नपत्र 'छत्तीसगढ़ी' के स्थान पर विकल्प के रूप में एक ऐच्छिक प्रश्नपत्र रखा गया है।**

इसी प्रकार विभाग के साहित्यिक इतिहास की गरिमा को बनाये रखने के उद्देश्य से इस विभाग के ऐतिहासिक साहित्यकार प्राध्यापक गजानन माधव 'मुक्तिबोध' और 'सरस्वती' संपादक डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सहित नगर के प्रमुख साहित्यकार मानस मर्मज्ञ डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र को पाठ्य विषय के अन्तर्गत प्रमुखता के साथ शामिल किया गया है।

पाठ्यक्रम का स्वरूप एवं अंक विभाजन : एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम कुल चार सेमेस्टर में विभक्त है जिसमें प्रत्येक समेस्टर में पांच–पांच प्रश्नपत्र 100–100 अंकों के लिए निर्धारित हैं। इन अंकों का विभाजन 80+20 है। अर्थात् 80 अंकों के लिए बाह्य–लिखित परीक्षा और 20 अंको का व्यावहारिक आंतरिक मूल्यांकन निर्धारित है।

एम.ए. हिन्दी के सभी कुल दस प्रश्नपत्र तीन–तीन खंडों–क, ख और ग में विभक्त हैं। प्रथम खंड में कुल बारह अंको के लिए 3–3 अंको के लिए पूरे पाठ्यक्रम से अति लघु उत्तरीय, कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनके विकल्प नहीं रहेंगे। दूसरे खंड में 20 अंकों के लिए पूरे पाठ्यक्रम से 5–5 अंकों के कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें सभी प्रश्नों के विकल्प रहेंगे। तीसरे खंड में पूरे पाठ्यक्रम से 48 अंको के लिए विकल्प सहित कुल चार प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित कुल 20 अंकों का निर्धारण निम्नानुसार है–

लिखित परीक्षा 10

परियोजना कार्य/असाइनमेन्ट.........10

दोनो का योग अर्थात् 10+10 = 20

न्यूनतम उत्तीर्णांक 07

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : आदिकाल एवं पूर्व–मध्यकाल (इतिहास	100	80+20
द्वितीयप्रश्पत्र : आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य	100	80+20
तृतीय प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य)	100	80+20
चतुर्थ प्रश्नपत्र : नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक कृति	100	80+20
पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी (हिंदी वर्णमाला एवं वर्तनी)	100	80+20

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल (इतिहास)	100	80+20
द्वितीय प्रश्नपत्र : मध्यकालीन काव्य	100	80+20
तृतीय प्रश्नपत्र : प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य	100	80+20
चतुर्थ प्रश्नपत्र : आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, निबंध एवं कहानी)	100	80+20
पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी (हिंदी शब्द और शब्दार्थ)	100	80+20

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र	100	80+20
द्वितीय प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान	100	80+20
तृतीय प्रश्नपत्र : प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता	100	80+20
चतुर्थ प्रश्नपत्र : भारतीय साहित्य	100	80+20
पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी (हिंदी वाक्य रचना और प्रयोग)	100	80+20

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र	100	80+20
द्वितीय प्रश्नपत्र :हिन्दी भाषा	100	80 +20
तृतीय प्रश्नपत्र : मीडिया लेखन एवं अनुवाद	100	80+20
चतुर्थ प्रश्नपत्र : जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)/वैकल्पिक पत्र	100	80+20
पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी (हिंदी रचना और व्यवहार)	100	80+20

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : आदिकाल एवं पूर्व–मध्यकाल (इतिहास)

पाठ्य–विषय :

पूर्णांक 80+20=100

1. **आदिकाल : इतिहास, दर्शन और साहित्येतिहास–** हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं, काल विभाजन और नामकरण की समस्याएं।
2. **हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि :** वीरगाथा काल तथा रासोकाव्य, सिद्ध–नाथ एवं जैन साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं एवं प्रतिनिधि रचनाकार।
3. **पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) :** सांस्कृतिक चेतना और भक्ति आन्दोलन, भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्यधाराएं–निर्गुण, सगुण भक्ति धाराएं, संतकाव्य की सामान्य प्रवृत्तियां।
4. **सूफी प्रेमाख्यानक काव्य :** प्रवृत्तियां, प्रेमाख्यानक परंपरा ओर हिन्दी में उसका विकास, सामान्य प्रवृत्तियां और दार्शनिक विचारधाराएं, उपलब्धियां।
5. लघु उत्तरीय प्रश्न : (संपूर्ण पाठ्यकम से)
6. **अतिलघु उत्तरीय प्रश्न** : (संपूर्ण पाठ्यकम से)

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5 x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल– हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. नगेन्द्र
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य–डॉ. शंभुनाथ पाण्डेय
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका–डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

पाठ्यकम समिति के सदस्य

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र : आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक 80+20 =100

पाठ्य–विषयः

व्याख्या और विवेचना के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन–अध्यापन अपेक्षित है–

1. **चंदबरदाई** : पृथ्वीराजरासो–शशिवृत्ता विवाह खंड, संपादक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह
2. **कबीर ग्रंथावली** : सं. डॉ. श्याम सुंदर दास (50 साखियां तथा 25 पद)
   पद कमांक–11, 16, 24, 26, 27, 40, 45, 49, 60, 64,70, 72, 75,79, 89, 93, 98, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 268
   साखियां–गुरूदेव और अंग 1–20, सुमिरण कौ अंग 1–10 विरह कौ अंग 1–10 ज्ञान विरह कौ अंग 1–10 ।
   पद्मावत : मलिक मोहम्मद जायसी संपादक– आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागमती विरह खंड एवं सिंहल द्वीपखंड)
3. **द्रुतपाठ के रचनाकार** : इसके अन्तर्गत निम्नलिखित पांच कवियों और उनकी रचनाओं का अध्ययन किया जाएगा– अमीर खुसरो, मीराबाई, रहीम, रैदास और रसखान।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. चंदबरदाई–डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी
2. कबीर की विचारधारा–डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
3. प्रमुख प्राचीन कवि–डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. जायसी की विशिष्ट शब्दावली– डॉ.इंदिरा कुमारी सिंह
5. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य–डॉ. शिवसहाय पाठक
6. अमीर खुसरो और उनका साहित्य–डॉ. भोलानाथ तिवारी
7. कबीर की साखियों में समसामयिकता एवं प्रांसगकिता : डॉ. प्रवीण कुमार साहू

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य)

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय : व्याख्या और विवेचना के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन–अध्यापन अपेक्षित है–

1. मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' का नवम सर्ग
2. जयशंकर प्रसाद : 'कामायनी' का चिन्ता, श्रद्धा और इड़ा सर्ग
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : 'राम की शक्तिपूजा', महादेवी वर्मा–जाग तुझको दूर जाना, जो तुम आ जाते एक बार।
4. **द्रुतपाठ के रचनाकार** : इसके अन्तर्गत निम्नलिखित पांच कवियों और उनकी रचाओं का अध्ययन किया जाएगा।
   अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', जगन्नाथदास 'रत्नाकर', मुकुटधर पाण्डेय, सुमित्रा नन्दन पंत, और हरिवंशराय 'बच्चन'।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. साकेत एक अध्ययन–डॉ. नगेन्द्र
2. कवि निराला–आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना–डॉ. रामविलास शर्मा
4. नया साहित्य नये प्रश्न– आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
5. कामायनी एक पुनर्विचार–मुक्तिबोध
6. प्रसाद का काव्य–प्रेमशंकर
7. हिन्दी साहित्य आधुनिक परिदृश्य–अज्ञेय
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

Kaushik

एम.ए. पूर्व–हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र : आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक कृति)

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्‌य–विषय :

1. नाटक : क–स्कंदगुप्त–जयशंकर प्रसाद ख–आधे–अधूरे– मोहन राकेश
2. एकांकी : क–औरंगजेब की आखिरी रात–रामकुमार वर्मा ख– एक दिन–लक्ष्मीनारायण मिश्र ग–स्ट्राइक–भुवनेश्वर घ–तौलिए–उपेन्द्रनाथ अश्क च–मम्मी ठकुराईन–लक्ष्मीनारायण लाल
3. चरितात्मक कृति : पथ के साथी–महादेवी वर्मा (केवल दो–निराला भाई, सुभद्रा)
4. द्रुतपाठ के रचनाकार : जगदीशचंद्र माथुर, शंकर शेष, अमृतलाल बेगड़, विभु खरे, हबीब तनवीर।
5. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (संपूर्ण पाठ्‌यक्रम से)

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्‌यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्‌यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्‌यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास–डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटकः सिद्धांत और विवेचना–डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक : पुनर्मूल्यांकन–डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन–जगन्ना प्रसाद शर्मा
5. हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास–रामचरण महेन्द्र
6. हिन्दी रंगमंच : दशा और दिशा– जयदेव तनेजा

पाठ्‌यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी

(हिंदी वर्णमाला एवं वर्तनी)

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **हिंदी वर्णों की पहचान** : स्वर और व्यंजन, मात्रा और भेद, नासिक ध्वनियां और उनके भेद, आगत ध्वनियां, अनुस्वार और विसर्ग।
2. **हिंदी वर्णोच्चारण** : वर्णो का वर्गीकरण, अल्पप्राण और महाप्राण, घोष और अघोष, हिंदी के पंचमाक्षर एवं संयुक्ताक्षर वर्णो की पहचान।
3. **हिंदी वर्तनी की समस्या** : वर्तनी का अर्थ, हिंदी वर्तनी का स्वरूप एवं समस्याएं, हिंदी वर्तनी के भ्रामक स्वरूप।
4. **हिंदी शब्दों की पहचान** : वर्ण एवं शब्द– परिभाषा और प्रयोग, हिंदी शब्दों का वर्गीकरण–तत्सम–तद्भव, अर्द्धतत्सम, अनुकरणवाचक, देशज–विदेशज एवं आगत शब्द।
5. **ब्युत्पत्ति अथवा बनावट के आधार पर शब्द : रूढ़, यौगिक और योगरूढ शब्द।**
6. लघु उत्तरीय प्रश्न : (संपूर्ण पाठ्यकम से)
7. **अतिलघु उत्तरीय प्रश्न** : (संपूर्ण पाठ्यकम से)

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंकों के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना–डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन–पटना–4
2. प्रायोगिक हिंदी– डॉ. गणेश खरे, छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर
3. सरल व्यावहारिक हिंदी– डॉ. शंकर मुनि राय, अध्ययन पब्लिशर्स, दिल्ली

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

Kaushik

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल (इतिहास)

पाठ्य–विषय : **पूर्णांक 80+20=100**

1. **उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)** : काल सीमा, नामकरण, विविध काव्य धाराएं–रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त
2. **आधुनिक काल** : सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, 1857 की राज्यक्रांति एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दुयुग–प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएं।
3. **द्विवेदी युग** : प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएं। छायावाद :नामकरण और प्रवृत्तियां, प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएं। छायावादोत्तर काल : प्रवृत्तियां, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता, स्वच्छंदतावाद का सामान्य परिचय।
4. **हिन्दी गद्य का विकास** : आधुनिक काल, गद्य साहित्य के विविध रूप–उद्‌भव और विकास, उपन्यास व कहानी का उद्‌भव और विकास, सामान्य प्रवृत्तियां, हिन्दी निबंध : विकास और प्रवृत्तियां, नाटक : उद्‌भव–विकास और सामान्य प्रवृत्तियां। गीति नाटक : परिचयात्मक विवेचन।
5. **लघु उत्तरीय प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यकम से)**
6. **अति लघु उत्तरीय प्रश्न संपूर्ण पाठ्यकम से)**

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां– डॉ. नामवर सिंह
2. हिन्दी साहित्य की बीसवीं शताब्दी–नन्ददुलारे वाजपेयी
3. गद्य की विविध विधाएं–डॉ. बापूराव देसाई
4. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियां–डॉ. शशिभूशण सिंह
5. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास–डॉ. दशरथ ओझा

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र : मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

नोट : व्याख्या और समीक्षा के लिए निम्नलिखित तीन कवियों का अध्ययन–अध्यापन निर्धारित है–

1. **सूरदास** : भ्रमरगीत सार–संपादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   पद 1–10, 21–30, 51–70, 81–90 कुल 50 पद।
2. **तुलसीदास** : श्रीरामचरित मानस–सुंदरकांड–गीताप्रेस गोरखपुर
3. **बिहारी** : बिहारी रत्नाकर–संपादक–जगन्नाथदास रत्नाकर–प्रारंभिक 100 दोहे
4. **द्रुतपाठ** : केशवदास, भूषण, पद्माकर, देव और चिंतामणि की रचनाओं की शिल्पगत विशेषताएं।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. बिहारी–डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युगसंदर्भ–डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन–डॉ. रामरतन भटनागर
4. सूरदास–डॉ. हरबंश लाल वर्मा
5. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ–डॉ. एल. एन. दुबे

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र : प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'** : कविताएं–नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, सोन मछली, उधार।
2. **गजानन माधव 'मुक्तिबोध'** : कविता 'अंधेरे में'।
3. **नागार्जुन** : कविताएं–बसंत की अगवानी, कोई आये तुमसे सीखे, शिशिर, विष कन्या, तो फिर क्या हुआ, यह तुम थी, कोयल आज बोली है, शासन की बंदूक, सिंदूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है।
4. **द्रुतपाठ** : पांच कवि–केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन शास्त्री, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, प्रमोद वर्मा।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. मुक्तिबोध की काव्य प्रकिया–अशोक चकधर
2. अज्ञेय का रचना संसार–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कविता की तीसरी आंख–डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
4. नागार्जुन का रचना संसार–विजय बहादुर सिंह
5. कविता की संगत–विजय कुमार
6. नागार्जुन के हिंदी काव्य में लोकसंस्कृति– डॉ. बी. एन. जागृत

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

Kaushik

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र : आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, निबंध और कहानी)

पाठ्य–विषय : **पूर्णांक** 80+20=100

1. **उपन्यास** : गोदान–प्रेमचंद
   मैला आंचल–फणीश्वरनाथ 'रेणु'
2. **निबंध** : मजदूरी और प्रेम–सरदार पूर्ण सिंह
   कविता क्या है–आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   अशोक के फूल– हजारी प्रसाद द्विवेदी
   उस अमराई ने राम–राम कही है–विद्यानिवास मिश्र
   वैष्णव की फिसलन– हरिशंकर परसाई
3. **कहानी : उसने कहा था**–चंद्रधर शर्मा गुलेरी
   पुरस्कार– जयशंकर प्रसाद
   सुजान भगत–प्रेमचंद
   झलमला– पदुमलाल पुन्ना लाल बख्शी
   परिंदे–निर्मल वर्मा
4. **द्रुतपाठ के रचनाकार** : ठाकुर जगमोहन सिंह पं. माधवराव सप्रे, डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र, मुक्तिबोध राजेन्द्र यादव

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. प्रेमचंद और उनका युग–रामबिलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएं–डॉ. गोपाल राय
3. हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास–सुरेश सिन्हा
4. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास–सुरेश सिन्हा
5. कहानी : नयी कहानी–डॉ. नामवर सिंह।

पाठ्यक्रम समिति के सदस्यः

Kaushik

एम.ए. पूर्व–हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी

(हिंदी शब्द और शब्दार्थ)

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **हिंदी शब्द रचना** : रचना विधि, उपसर्ग और प्रत्यय–परिभाषा और भेद, तद्धित और कृदंत–परिभाषा और भेद।
2. **हिंदी शब्द साधना** : संधि : परिभाषा और महत्व, भेद और व्यावहारिक प्रयोग।
3. **समास** : परिभाषा, प्रकार और महत्व, हिंदी के सामासिक शब्दों की सूची।
4. **हिंदी कारक** : परिभाषा और विशेषताएं, संस्कृत और हिंदी कारक भेद, विभक्तियां– प्रयोग एवं व्यवहार, कर्त्ता के 'ने' चिन्ह का प्रयोग।
5. **अविकारी शब्द : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया एवं किया विशेषण–प्रकार एवं उदाहरण।**
6. **हिंदी में प्रचलित दोहरी वर्तनी के शब्द : प्रकार एवं उदाहरण।**
7. लघु उत्तरीय प्रश्न : (संपूर्ण पाठ्यकम से)
8. **अतिलघु उत्तरीय प्रश्न** : (संपूर्ण पाठ्यकम से)

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंकों के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना–डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन–पटना–4
2. प्रायोगिक हिंदी –डॉ. गणेश खरे, छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर
3. सरल व्यावहारिक हिंदी– डॉ. शंकर मुनि राय, अध्ययन पब्लिशर्स, दिल्ली

पाठ्यकम समिति के सदस्यः

एम.ए. अंतिम–हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **भारतीय काव्यशास्त्र :क.** काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, और काव्य के प्रकार। **ख.** रस सिद्धांत, रस निष्पत्ति, रस का स्वरूप, साधारणीकरण, रस के अंग।
2. **अलंकार सिद्धांत** : रीति सिद्धांत, वकोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत।
3. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र** : प्लेटो–काव्य सिद्धांत, अरस्तू– अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लौंजायनस–उदात्त की अवधारण।
4. **मैथ्यू ऑर्नाल्ड** : कला की अवधारणा, टी.एस. इलियट–कला की निर्वैक्तिकता, कॉलरिज–कल्पना सिद्धांत, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद।
5. पूरे पाठ्यकम से लघु उत्तरीय प्रश्न।
6. संपूर्ण पाठ्यकम से अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत–गणपतिचंद्र गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद–भगीरथ मिश्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका–डॉ. नगेन्द्र
4. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र–मूलजी भाई
5. पाश्चात्य काव्य–दर्शन–डॉ. शंकर मुनि राय, वैभव प्रकाशन रायपुर

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

एम.ए. अंतिम–हिन्दी
तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **भाषा और भाषा विज्ञान :** भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना। भाषा विज्ञान– स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं–वर्णनात्मक और तुलनात्मक।
2. **स्वन प्रकिया :** स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, वाग्वयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा और स्वनिम के भेद।
3. **व्याकरण :** रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, रूपिम की अवधारणा और भेद–मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य के भेद , वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।
4. **अर्थ विज्ञान :** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थपरिवर्तन।
5. पूरे पाठ्यकम से लघु उत्तरीय प्रश्न।
6. संपूर्ण पाठ्यकम से अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. सामान्य भाषा विज्ञान–डॉ. बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान–डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषाशास्त्र की रूपरेखा–उदयनारायण तिवारी
4. हिन्दी और उसका संक्षिप्त इतिहास–भोलानाथ तिवारी
5. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा–द्वारिका प्रसाद मिश्र

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

एम.ए. अंतिम–हिन्दी
तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **हिन्दी के विविध रूप** : सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, कार्यालयीन हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य–प्रारूपण, पत्र लेखन,संक्षेपण, पल्लवन टिप्पणी।
2. **पारिभाषिक शब्दावली** : स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, भाषा विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली। हिन्दी कम्प्यूटर– परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज पब्लिशिंग परिचय।
3. **इंटरनेट** : संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मित्तव्ययिता के सूत्र। इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेट स्केप। हिन्दी साप्टवेयर पैकेज। पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
4. **समाचार लेखन** : समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रूफशोधन, शीर्षक संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्त्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।
5. पूरे पाठ्यकम से लघु उत्तरीय प्रश्न।
6. संपूर्ण पाठ्यकम से अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
2. हिन्दी पत्रकारिता–कृष्ण बिहारी मिश्र
3. प्रशासनिक हिन्दी–पुष्पा कुमारी
4. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग–विजय मल्होत्रा
5. कम्प्यूटर एप्लीकेशन–गौरव अग्रवाल

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

एम.ए. अंतिम–हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र : भारतीय साहित्य

पूर्णांक **80+20=100**

पाठ्य–विषय :

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं मूल चेतना। भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं।
2. भारतीय साहित्य में वर्तमान भारत का बिम्ब। हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति
3. हिन्दीतर साहित्य का अध्ययन । इसके निम्नलिखित तीन भाग हैं–
   क–दक्षिणात्य भषाा वर्ग में मलयालम
   ख–पूर्वांचल भाषा वर्ग में बंगला भाषा एवं उपन्यास– 'अग्निगर्भ'–महाश्वेता देवी
   ग–पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

निर्देश : प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है कि अध्ययन के लिए वह इन तीनों में से किसी

एक का चयन करे जो उसके भाषा क्षेत्र से भिन्न हो।

4. इस खंड के अंतर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है। इसमें किसी एक हिन्दीतर भाषा साहित्य के साथ हिन्दी को जोड़कर अध्ययन करना आवश्यक होगा।
5. पूरे पाठ्यकम से लघु उत्तरीय प्रश्न।
6. संपूर्ण पाठ्यकम से अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. 'अग्निगर्भ'–महाश्वेता देवी
2. मराठी भाषा और साहित्य–राजमल वोरा
3. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास–भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
4. भारतीय साहित्य–डॉ. नगेन्द्र
5. मलयालम साहित्यकारों से साक्षत्कार–प्रो. आर. सुरेन्द्रन

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी

(हिंदी वाक्य रचना और प्रयोग)

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **हिंदी वाक्य** : वाक्य की परिभाषा, प्रकृति एवं पदक्रम विश्लेषण।
2. **हिंदी वाक्यविग्रह** : परिभाषा एवं प्रकार, सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य।
3. **वाक्य परिवर्तन** : अर्थ और स्वरूप, सरल से मिश्र और संयुक्त वाक्य बनाना।
4. हिंदी की सामान्य अशुद्धियां : अशुद्धियों के प्रकार, अनुस्वार और चंद्रविनदु का प्रयोग, हिंदी के द्विरुपी शब्द, द्विरुपी–दोष ।
5. **विराम चिन्ह** : परिभाषा और स्वरूप, अल्पविराम, अर्द्धविराम और पूर्ण विराम, योजक चिन्ह, प्रश्वाचक चिन्ह, विस्मयादि बोधक एवं उद्धरण, कोष्ठक, विवरण चिन्ह।
6. **हिंदी में लिंग निर्धारण की समस्याएं एवं समाधान। पर्यायवाची शब्द : अर्थ एवं उदाहरण।**
7. **लघु उत्तरीय प्रश्न** : (संपूर्ण पाठ्यकम से)
8. **अतिलघु उत्तरीय प्रश्न** : (संपूर्ण पाठ्यकम से)

अंक विभाजन

खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंकों के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना–डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन–पटना–4
2. सरल व्यावहारिक हिंदी– डॉ. शंकर मुनि राय, अध्ययन पब्लिशर्स, दिल्ली

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

Kaushik

एम.ए. अंतिम–हिन्दी

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद। आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां, संरचनावाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता।
2. हिन्दी कवि–आचार्यें का काव्य शास्त्रीय चिंतन, लक्षण–काव्य परंपरा। शास्त्रीय आचार्य– रामचंद्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, केशव, देव।
3. आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां–शास्त्रीय आलोचना, ऐतिहासिक आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना, शैली वैज्ञानिक आलोचना।
4. व्यावहारिक समीक्षाः निर्धारित काव्यांश की स्व–विवेकानुसार व्याख्या–'वह तोड़ती पत्थर'–निराला, 'भूल–गलती'–मुक्तिबोध, 'नदी के द्वीप'–अज्ञेय, 'अकाल और उसके बाद'–नागार्जुन, 'हम भारत के हैं'–त्रिलोचन, 'रामदास'–रघुवीर सहाय, 'महामहिम'–श्रीकांत वर्मा।

5. पूरे पाठ्यक्रम से लघु उत्तरीय प्रश्न।
6. संपूर्ण पाठ्यक्रम से अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रन	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रन	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग–1 एवं 2–गोविन्द त्रिगुणायत
2. हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास–डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र
3. हिन्दी आलोचना के आधार–स्तंभ–रामेश्वर खंडेलवाल
4. हिन्दी आलोचना का विकास–नन्दकिशोर नवल
5. अस्तित्ववाद : किर्कगार्द से कामू तक–योगेन्द्र शाही

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. अंतिम–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिंदी भाषा

पूर्णांक 80+20=100

ठ्य–विषय :

1. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :** प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं–पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश, और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण।
2. **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार :** हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।
3. **हिन्दी के विविध रूप :** संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।
4. **हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएं :** आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी शोधन, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण। देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

पूरे पाठ्यक्रम से लघु उत्तरीय प्रश्न।
संपूर्ण पाठ्यक्रम से अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास– भोलानाथ तिवारी
2. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएं और समाधान–देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. नागरी लिपि और हिन्दी–अनन्त चौधरी
4. सामान्य भाषा विज्ञान–बाबूराम सक्सेना
5. [redacted]

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. अंतिम–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र : मीडिया लेखन और अनुवाद

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **मीडिया लेखन :** जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रवण, दृष्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रवण–माध्यम,(रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार लेखन और वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।
2. **दृष्य–श्रव्य माध्यम** :(फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो) दृष्य–माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृष्य–श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन,। पटकथा लेखन, टेली–ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्यिक विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।
3. **अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार** : अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रकिया एवं प्रविधि। हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।
4. **व्यावहारिक अनुवाद** : अभ्यास, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन और प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक नियुक्तियां, पदनाम, विभागीय पत्रों का अनुवाद, पदनामों–अनुभागों–दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद। साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार। कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद एवं दुभाशिया प्रविधि।
5. पूरे पाठ्यकम से लघु उत्तरीय प्रश्न।
6. संपूर्ण पाठ्यकम से अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. जनसंचार एवं पत्रकारिता–प्रवीण दीक्षित
2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम–डॉ. संजीव भागवंत
3. पत्रकारिता के विविध आयाम–वेद प्रकाश वैदिक
4. अनुवाद के सिद्धांत–सुरेश कुमार
5. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग–कृष्ण कुमार रत्तू

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

एम.ए. अंतिम–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र : जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **छत्तीसगढ़ी भाषा** : भौगोलिक सीमा, नामकरण, छत्तीसगढ़ी के क्षेत्रीय भेद, व्याकरण के अंगोपांग।
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियां और इतिहास।
3. छत्तीसगढ़ी कवि एवं कविताएं :
   क– सुंदरलाल शर्मा– छत्तीसगढ़ी दान–लीला के अंश ख–मुकुटधर पांडेय–मेघदूत का छत्तीसगढ़ी अनुवाद ग–हरि ठाकुर– देवारी गीत, बादर गीत, आज हवा काबर कुनकुन हे। घ–डॉ. नगेन्द्र देव वर्मा– दुनिया अठवारी बाजार हे, उसल जाही, छत्तीसगढ़ी महिमा।
4. छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास : नाटक– करमछड़हा–खूबचंद बघेल, उपन्यास– आवा–परदेशीराम वर्मा
5. द्रुतपाठ के रचनाकार : लखनलाल गुप्त, लक्ष्मण मस्तूरिया, केयूर भूषण, कपिल नाथ कश्यप, लोचन प्रसाद पाण्डेय, कुंज बिहारी चौबे, पवन दीवान, कोदूराम दलित।
6. संपूर्ण पाठ्यक्रम से अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. जनपदीय भाषा और साहित्य– संपादक– सत्यभामा आडिल
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उदभव और विकास– डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
3. छत्तीसगढ़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ. शंकर शेष
4. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली–प्यारेलाल गुप्त
5. छत्तीसगढ़ी, हल्बी, भतरी भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्यय–भालचंद्र राव तैलंग

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. अंतिम–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र : जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी) अथवा

चतुर्थ /वैकल्पिक प्रश्नपत्र(साहित्यकार एवं उनकी रचनागत विशेषताएं)

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय : यह प्रश्नपत्र ऐच्छिक है। प्रदेश के बाहर से आनेवाले विद्यार्थियों की रूचि का ध्यान रखते हुए चतुर्थ प्रश्नपत्र 'छत्तीसगढ़ी' के स्थान पर इस प्रश्नपत्र का विकल्प रखा गया है।

निम्नलिखित चार में से किसी एक का विस्तृत अध्ययन–अध्यापन आवश्यक होगा–

क. कबीरदास :

पाठ्य विषय–साखी, सबद रमैनी

1. कबीर का जीवन परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएं
2. कबीर का रहस्यवाद एवं उलटबांसियां
3. व्याख्या– कबीर ग्रंथावली से निर्धारित साखियां और पद

अंक विभाजन

खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न 3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न 5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न 12x4=48

ख. सूरदास :

पाठ्य विषय–भ्रमरगीत, सूरसागर

1. सूरदास का जीवन परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएं
2. सूरदास का भ्रमरगीत प्रसंग
3. सूरदास साहित्य में बाल वर्णन
4. व्याख्या– भ्रमरगीत और सूरसागर के निर्धारित पद

अंक विभाजन

खंड–क : संपूर्ण पाठ्यकम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न 3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यकम से 5–5 अंको के 4 प्रन 5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यकम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न 12x4=48

ग. तुलसीदास :

पाठ्य विषय–श्रीरामचरित मानस, विनय पत्रिका, कवितावली

1. तुलसी का जीवन परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएं
2. तुलसी की सगुन एवं निर्गुन भक्ति
3. तुलसी का समन्वय दर्शन
4. व्याख्या–श्रीरामचरित मानस, विनयपत्रिका और कवितावली

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्u	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

घ. हिंदी उपन्यासकार (मुंशी प्रेमचंद):

पाठ्य विषय– गबन, गोदान, निर्मला, सेवासदन

1. प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय
2. हिंदी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद का योगदान
3. प्रेमचंद की उपन्यास कला
4. व्याख्या– गबन, गोदान और सेवा सदन

अंक विभाजन

खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंको के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी

(हिंदी रचना और व्यवहार)

पूर्णांक 80+20=100

पाठ्य–विषय :

1. **हिंदी कहावतें** : परिभाषा, प्रकृति और व्यवहार, हिंदी की प्रचलित कहावतें एवं उनका प्रयोग। (उल्लेखित/संकलित कुल 25 कहावतें।)
2. **हिंदी मुहावरे** : परिभाषा एवं प्रकार। शरीरांगों (सिर, गर्दन, आंख, कान, नाक, मुंह, दांत, छाती, पेट और पांव) पर आधारित मुहावरे।
3. **छत्तीसगढ़ी पहेलियां** : अर्थ और स्वरूप, कहावत और पहेली में अंतर, (उल्लेखित/संकलित छत्तीसगढ़ी की 25 पहेलियों का प्रयोग।)
4. **वक्तृत्व कला : अर्थ एवं स्वरूप, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, समश्रुत शब्द ।**
5. **सारांश, भावार्थ एवं व्याख्या : अर्थ एवं अंतर।**
6. **व्यावहारिक लेखन** : उद्घोषणा–अर्थ एवं व्यवहार, हिंदी और छत्तीसगढ़ी में आकाशवाणी और रेलवे उद्घोषणा लेखन।
7. लघु उत्तरीय प्रश्न : (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)
8. **अतिलघु उत्तरीय प्रश्न** : (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)

	अंक विभाजन
खंड–क : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 3–3 अंकों के 4 प्रश्न	3x4=12
खंड–ख : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंको के 4 प्रश्न	5x4=20
खंड–ग : संपूर्ण पाठ्यक्रम से 12–12 अंको के 4 प्रश्न	12x4=48

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना– डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन–पटना–4
2. छत्तीसगढ़ी कहावतें मुहावरे एवं पहेलियां– संपादक थानसिंह वर्मा एवं डॉ. शंकर मुनि राय, प्रकाशकः शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
3. सरल व्यावहारिक हिंदी– डॉ. शंकर मुनि राय, अध्ययन पब्लिशर्स, दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी

(हिंदी रचना और व्यवहार)

निर्धारित हिंदी कहावतें

हिंदी कहावतें :

1. अपनी डुली अपना राग :
2. अकेला चना फाड़ नहीं फोड़ता :
3. अंधों में काना राजा :
4. अधजल गगरी छलकत जाय :
5. आम का आम गुठलियों के दाम :
6. उंट के मुंह में जीरा :
7. एक पंथ दो काज :
8. कहां राजा भोज और कहां गंगू तेली :
9. काला अच्छर भैंस बराबर :
10. का बरखा जब कृषि सुखाने :
11. खोदा पहाड़ निकली चुहिया :
12. गांव का जोगी जोगड़ा, आन गांव का सिद्ध :
13. चोर की दाड़ी में तिनका :
14. चोर–चोर मौसेरे भाई :
15. छोटा मुंह बड़ी बात :जिसकी लाठी उसकी भैंस :
16. जैसा देश वैसा भेश :
17. डूबते को तिनके का सहारा :
18. दस की लाठी एक का बोझ :
19. देशी मुर्गी बिलायती बोली :
20. नाच न जाने आंगन टेढ़ा :
21. नौ नगद न तेरह उधार :
22. मुंह मे राम बगल में छूरी :
23. हाथ कंगन को आरसी क्या :

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

एम.ए. पूर्व–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिंदी

(हिंदी रचना और व्यवहार)

निर्धारित छत्तीसगढ़ी पहेलियां

छत्तीसगढ़ी पहेलियां :

1. अताल ओखर मां–बाप पताल ओखर थाना, एक फूल फूले न डारा न पाना –**मशरूम**
2. अहो हरि, अहो हरि फूल ला छोड़ के कनिहा में फरी–**भुट्टा**
3. हमर देस मा अइसा हुआ, आधा बगुला आधा सुवा–**मूली**
4. आजकाल्हु नार फटके, सावन–भादो मुरझा–**दररा/ दरार**
5. आजू–बाजू गोल–गोल, पीछू हा चकरट्ठा–**बैलगाड़ी**
6. आय लुलु, बाय लुलु, पानी ला डराय लुलु–**जूता**
7. ईंटा–पथरा के घर उठाये, बिलवा बइला के मन नइ आये–**चूहा**
8. ए पार पचरी, ओ पार पचरी, बीच मा मोंगरी मछरी–**जीभ**
9. एक ठन कुरिया मा बघवा नरियाय–**जांता**
10. एक ठन चिंआ घर–भर लहू–**चिमनी**
11. एक ठन थारी में दो अंडा, एक गरम एक ठंड़ा–**सूरज–चांद**
12. एक महतारी के साठ लइका, कोनो मरे कोना जीये–**माचिस**
13. एक निसेनी के बारा पकती, नी जाने सेकर सास नकटी–**छाता**
14. एक लारी चार डराभर , एक सवारी, बाकी सब कंडेक्टर– **शवयात्रा**
15. एक नार के दू लइका, दूनों के एके रंग। एक खड़े एक फिरे, फेर दुनो एके संग–**जांता**
16. एक कटोरी मां बारा रसगुल्ला, अउ ओमे तीन चम्मच–**घड़ी**
17. एक पेड़ झंझाकर, ओमे घी, गुड़ अउ गांकर–**महुआ पेड़**
18. ओमनाथ बखरी में सोमनाथ कांटा, एक फूल फूले पचास ठन बांटा–**केला**
19. कुकुर गेहे इलाहाबाद, कुकुर के पूंछी हमरे पास–**कुंआ की बाल्टी**
20. कोरबा तोर मइके, नांदगांव ससुराल, गली–गली तोर मनसरवा, घर–घर तोर लइका–**बिजली**
21. खार भर चरे, एको लेंड़ी न हगे–**हंसिया**
22. खाय के बेर सफेद, निकाले के बेर करिया–**सीताफल**
23. घना जंगल में लाल पानी पीये–**जूं**
24. घाम मं जन्मे, छांव परत मुरझाय–**पसीना**
25. चार चिरई के चार रंग, महल में जाके एके रंग–**पान**

पाठ्यकम समिति के सदस्यः